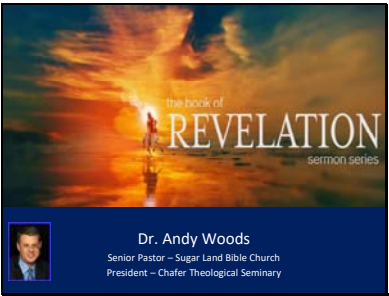


Slide 1



---

---

---

---

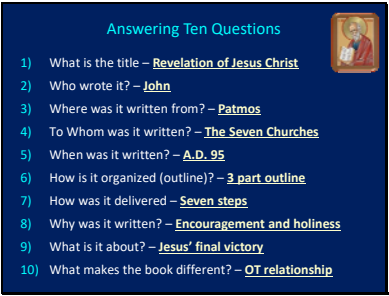
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

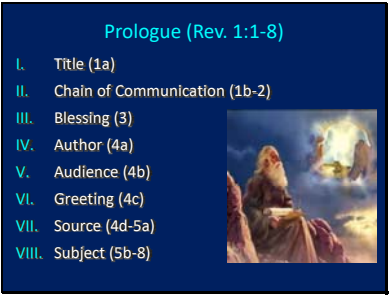
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

Revelation 1:19

"Therefore write the things which you have seen, and the things which are, and the things which will take place after these things [*meta tauta*]."



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 5

Revelation 1:19

- Seen (Chapter 1)
- Are (Chapters 2–3)
- After these things (Chapters 4–22)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 6

Revelation 1:19

- Seen (Chapter 1)
- Are (Chapters 2–3)
- After these things (Chapters 4–22)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

The Things Which You Have Seen  
(Rev. 1:9-20)

- I. Circumstances of the vision (1:9-11)
- II. Content of the vision (1:12-16)
- III. Communication from Christ to John (1:17-20)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 8

The Things Which You Have Seen  
(Rev. 1:9-20)

- I. Circumstances of the vision (1:9-11)
- II. Content of the vision (1:12-16)
- III. Communication from Christ to John (1:17-20)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 9

I. Circumstances of the Vision  
(Rev. 1:9-11)

- A. Place: Patmos (1:9)
- B. Content: Day of the Lord (1:10)
- C. Purpose: Communicate to the Churches (1:11)



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 10

I. Circumstances of the Vision  
(Rev. 1:9-11)

A. Place: Patmos (1:9)

B. Content: Day of the Lord (1:10)

C. Purpose: Communicate to the Churches (1:11)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

Three Items in Which John is a Fellow Partaker  
(*synkoinōnos*)  
(Rev. 1:9)

1. Tribulation (*thlipsis*)

2. Kingdom (*basileia*)

3. Perseverance (*hypomonē*)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

Three Items in Which John is a Fellow Partaker  
(*synkoinōnos*)  
(Rev. 1:9)

1. Tribulation (*thlipsis*)

2. Kingdom (*basileia*)

3. Perseverance (*hypomonē*)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

Pretribulationism **is not** Escapism

- Trials (John 16:33)
- Man's wrath (2 Tim. 3:12)
- Satan's wrath (Eph. 6:11-12)
- World's wrath (John 15:18-19)

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

Three Items in Which John is a Fellow Partaker  
(*synkoinōnos*)  
(Rev. 1:9)

1. Tribulation (*thlipsis*)
2. Kingdom (*basileia*)
3. Perseverance (*hypomonē*)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

Three Items in Which John is a Fellow Partaker  
(*synkoinōnos*)  
(Rev. 1:9)

1. Tribulation (*thlipsis*)
2. Kingdom (*basileia*)
3. Perseverance (*hypomonē*)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

Revelation 5:10

"You have made them to be a kingdom and priests to our God; and they will reign [basileuō] upon the earth [gē]."



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

Revelation 11:15

<sup>15</sup> "Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, "The kingdom of the world has become the kingdom of our Lord and of His Christ; and He will reign forever and ever."



---

---

---

---

---

---

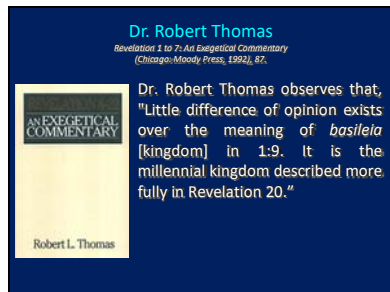
---

---

Slide 18

Dr. Robert Thomas

*Revelation 1 to 7: An Exegetical Commentary*  
(Chicago: Moody Press, 1992), 82.



Dr. Robert Thomas observes that, "Little difference of opinion exists over the meaning of *basileia* [kingdom] in 1:9. It is the millennial kingdom described more fully in Revelation 20."

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

Three Items in Which John is a Fellow Partaker  
(*synkoinōnos*)  
(Rev. 1:9)

1. Tribulation (*thlipsis*)

2. Kingdom (*basileia*)

3. Perseverance (*hypomonē*)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

Literal Geography in Revelation			
Thomas, Revelation 8 to 22: An Exegetical Commentary, 206-207.			
Asia	1:4	Sardis	3:1
Patmos	1:9	Philadelphia	3:7
Ephesus	2:1	Laodicea	3:14
Smyrna	2:8	Euphrates	9:14;16:12
Pergamum	2:12	Armageddon	16:16
Thyatira	2:18	Babylon	17:15

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 22



Eusebius  
Ecclesiastical History, 3.18.4

“...and they even indicated the time accurately, relating that in the fifteenth year of Domitian, Flavia Domitilla, who was the niece of Flavius Clemens, one of the many consuls at Rome at that time, was banished with many others to the island of Pontia as testimony to Christ.”

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 23

How John Got Exiled on Patmos  
(Rev. 1:9)

1. Word (*logos*)
2. Testimony (*martyria*)



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 24

I. Circumstances of the Vision  
(Rev. 1:9-11)

A. Place: Patmos (1:9)

B. Content: Day of the Lord (1:10)

C. Purpose: Communicate to the Churches (1:11)



---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

INSPIRATION OF SCRIPTURE

2 Peter 1:20-21

■ Men Wrote as they were inspired by Holy Spirit


"phero" = to carry

Acts 27:15,17

■ Opposite of Knowledge of False Teachers

• Which is their own imagination

• Jer. 23:16



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 26

2 Timothy 3:16-17

"All Scripture is inspired by God [*theopneustos*] and profitable for teaching, for reproof, for correction, for training in righteousness; so that the man of God may be adequate, equipped for every good work."



---

---

---

---

---

---

---

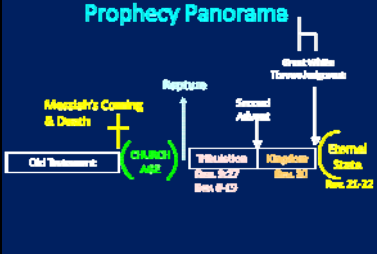
---

---

---

Slide 27

Prophecy Panorama



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 28

I. Circumstances of the Vision  
(Rev. 1:9-11)

A. Place: Patmos (1:9)

B. Content: Day of the Lord (1:10)

C. Purpose: Communicate to the Churches (1:11)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 29



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 30

Literal Geography in Revelation			
Thomas, Revelation 8 to 22: An Exegetical Commentary, 206-207.			
Asia	1:4	Sardis	3:1
Patmos	1:9	Philadelphia	3:7
Ephesus	2:1	Laodicea	3:14
Smyrna	2:8	Euphrates	9:14;16:12
Pergamum	2:12	Armageddon	16:16
Thyatira	2:18	Babylon	17:15

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 31

The Things Which You Have Seen  
(Rev. 1:9-20)

I. Circumstances of the vision (1:9-11)

II. Content of the vision (1:12-16)

III. Communication from Christ to John (1:17-20)



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 32

II. Content of the Vision  
(Rev. 1:12-16)

A. His appearance among the churches (1:12-13a)

B. His clothing (1:13b-c)

C. His body (1:14-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 33

II. Content of the Vision  
(Rev. 1:12-16)

A. His appearance among the churches (1:12-13a)

B. His clothing (1:13b-c)

C. His body (1:14-16)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34



---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 35

Two Rules of Interpretation



- Search the immediate context
  - ◆ Walvoord: 26X
- Search the remote context
  - ◆ Old Testament
  - ◆ Thomas: 278 / 404 verses

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 36

Matthew 16:18

I also say to you that you are Peter, and upon this rock I will build [oikodomeō] My church; and the gates of Hades will not overpower it.



---

---

---

---

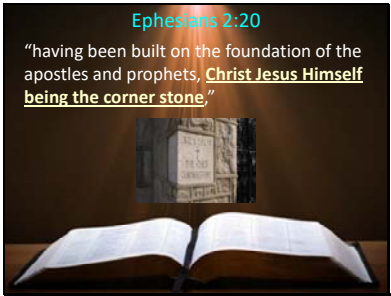
---

---

---

---

Slide 37



---

---

---

---

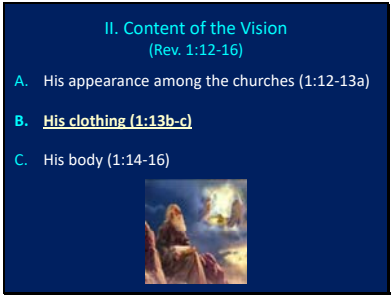
---

---

---

---

Slide 38



---

---

---

---

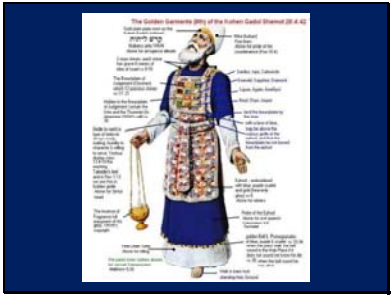
---

---

---

---

Slide 39



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 40

B. His Clothing  
(Rev. 1:13b-c)

1. His robe (13b)

2. His sash (13c)



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 41

B. His Clothing  
(Rev. 1:13b-c)

1. His robe (13b)

2. His sash (13c)



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 42

B. His Clothing  
(Rev. 1:13b-c)

1. His robe (13b)

2. His sash (13c)



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 43

II. Content of the Vision  
(Rev. 1:12-16)

A. His appearance among the churches (1:12-13a)

B. His clothing (1:13b-c)

C. His body (1:14-16)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

C. His Body  
(Rev. 1:14-16)

1. His hair (14a)

2. His eyes (14b)


3. His feet (15a)

4. His voice (15b)

5. His right hand (16a)

6. His mouth (16b)

7. His face (16c)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

C. His Body  
(Rev. 1:14-16)

1. His hair (14a)

2. His eyes (14b)


3. His feet (15a)

4. His voice (15b)

5. His right hand (16a)

6. His mouth (16b)

7. His face (16c)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46



---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 47



### Two Rules of Interpretation

- Search the immediate context
  - ◆ Walvoord: 26X
- Search the remote context
  - ◆ Old Testament
  - ◆ Thomas: 278 / 404 verses

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

### Method of Communication

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches



---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 49

C. His Body  
(Rev. 1:14-16)

1. His hair (14a)
2. His eyes (14b)
3. His feet (15a)
4. His voice (15b)
5. His right hand (16a)
6. His mouth (16b)
7. His face (16c)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50

The Things Which You Have Seen  
(Rev. 1:9-20)

- I. Circumstances of the vision (1:9-11)
- II. Content of the vision (1:12-16)
- III. Communication from Christ to John (1:17-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

III. Communication from Christ to John  
(Rev. 1:17-20)

- A. John's reaction to Jesus (1:17a)
- B. Jesus's comfort of John (1:17b-18)
- C. Jesus's command to John (1:19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

III. Communication from Christ to John  
(Rev. 1:17-20)

A. John's reaction to Jesus (1:17a)

B. Jesus's comfort of John (1:17b-18)

C. Jesus's command to John (1:19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

III. Communication from Christ to John  
(Rev. 1:17-20)

A. John's reaction to Jesus (1:17a)

B. Jesus's comfort of John (1:17b-18)

C. Jesus's command to John (1:19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54


B. Jesus's Comfort to John  
(Rev. 1:17b-18)

1. Do not be afraid (1:17b)

2. I am the first (*prōtos*) and the last (*eschatos*) (1:17c)

3. I have conquered the grave (1:18a)

4. I have the keys of death and hades (1:18b)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 55

III. Communication from Christ to John  
(Rev. 1:17-20)

- A. John's reaction to Jesus (1:17a)
- B. Jesus's comfort of John (1:17b-18)
- C. Jesus's command to John (1:19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

Acts 1:8

"but you will receive power when the Holy Spirit has come upon you; and you shall be My witnesses both in Jerusalem, and in all Judea and Samaria, and even to the remotest part of the earth."



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

Revelation 1:19

"Therefore write the things which you have seen, and the things which are, and the things which will take place after these things [*meta tauta*]."



---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 58

Revelation 1:19

■ Seen (Chapter 1)

■ Are (Chapters 2–3)

■ After these things (Chapters 4–22)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59

Revelation 4:1

“After these things [meta tauta] I looked, and behold, a door standing open in heaven, and the first voice which I had heard, like the sound of a trumpet speaking with me, said, ‘Come up here, and I will show you what must take place after these things [meta tauta].’”



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

“Mystery” Defined

“In the N.T. it [*mystērion*] denotes, not the mysterious (as with the Eng. word), but **that which, being outside the range of unassisted natural apprehension, can be made known only by Divine revelation**, and is made known in a manner and at a time appointed by God, and to those who are illumined by His Spirit.”

W. E. Vine, Merrill F. Unger, and William White, *Vine's Complete Expository Dictionary of the Old and New Testament Words* (Nashville: Nelson, 1996), 424.

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 61

Ephesians 3:3-6

"that by revelation there was made known to me the mystery, as I wrote before in brief. <sup>4</sup> By referring to this, when you read you can understand my insight into the mystery of Christ, <sup>5</sup> which in other generations was not made known to the sons of men, as it has now been revealed to His holy apostles and prophets in the Spirit; <sup>6</sup> to be specific, that the Gentiles are fellow heirs and fellow members of the body, and fellow partakers of the promise in Christ Jesus through the gospel".



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 62

Ephesians 3:9

"and to bring to light what is the administration of the mystery which for ages has been hidden in God who created all things."



---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 63

Two Rules of Interpretation



- Search the immediate context
  - ◆ Walvoord: 26X
- Search the remote context
  - ◆ Old Testament
  - ◆ Thomas: 278 / 404 verses

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 64

Method of Communication

- From the Father
- to Christ the Son
- to an angel
- to John
- to a book
- to a reader or preacher
- to a listener or the seven churches



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 65

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66

The Things Which You Have Seen  
(Rev. 1:9-20)

- I. Circumstances of the vision (1:9-11)
- II. Content of the vision (1:12-16)
- III. Communication from Christ to John (1:17-20)



---

---

---

---

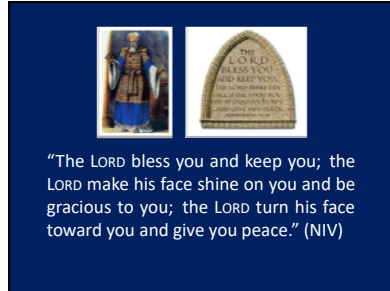
---

---

---

---

Slide 67



---

---

---

---

---

---

---

## 9

Acts 14:22-strengthening the souls of the disciples, encouraging them to continue in the faith, and *saying*, “Through **many tribulations** we must enter the kingdom of God.”

Jas. 2:5-Listen, my beloved brethren: did not God choose the poor <sup>[e]</sup>of this world *to be* rich in faith and **heirs of the kingdom** which He promised to those who love Him?

Gal. 5:22-23-<sup>22</sup> But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, **patience**, kindness, goodness, faithfulness, <sup>23</sup> gentleness, self-control; against such things there is no law.

2 Tim. 3:12-Indeed, all who desire to live godly in Christ Jesus will be persecuted.

## 10

2 Peter 1:20-21-<sup>20</sup> But know this first of all, that no prophecy of Scripture is *a matter* of one’s own interpretation, <sup>21</sup> for no prophecy was ever made by an act of human will, but men moved by the Holy Spirit spoke from God.

2 Tim. 3:16-All Scripture is <sup>[h]</sup>inspired by God and profitable for teaching, for reproof, for correction, for <sup>[i]</sup>training in righteousness.

Acts 20:7-On the **first day of the week**, when we were gathered together to break bread, Paul *began* talking to them, intending to leave the next day, and he prolonged his <sup>[e]</sup>message until midnight.

1 Cor. 16:2-On the **first day of every week** each one of you is to <sup>[a]</sup>put aside and save, as he may prosper, so that no collections be made when I come.

1 Cor. 11:20-Therefore when you meet together, it is not to eat the **Lord's** Supper,

Gen. 1:5-God called the light day, and the darkness He called night. And there was **evening** and there was **morning**, one day.

## **11**

Rev. 8:8-The second angel sounded, and *something* like a great mountain burning with fire was thrown into the sea; and a third of the sea became blood.

## **12**

Rev. 4:5-Out from the throne come flashes of lightning and sounds and peals of thunder. And *there were* seven lamps of fire burning before the throne, which are the seven Spirits of God.

## **13**

Dan. 7:13-I kept looking in the night visions, And behold, with the clouds of heaven One like a Son of Man was coming, And



He came up to the Ancient of Days And was presented before Him.

Mark 14:61-64-<sup>61</sup> But He kept silent and did not answer. Again the high priest was questioning Him, and <sup>[ab]</sup>saying to Him, “Are You <sup>[ac]</sup>the Christ, the Son of the Blessed *One*?” <sup>62</sup> And Jesus said, “I am; and you shall see THE SON OF MAN SITTING AT THE RIGHT HAND OF POWER, and COMING WITH THE CLOUDS OF HEAVEN.” <sup>63</sup> Tearing his clothes, the high priest said, “What further need do we have of witnesses? <sup>64</sup> You have heard the blasphemy; how does it seem to you?” And they all condemned Him to be deserving of death.

Eph. 5:22-25-<sup>22</sup> Wives, *be subject* to your own husbands, as to the Lord. <sup>23</sup> For the husband is the head of the wife, as Christ also is the head of the church, He Himself *being* the Savior of the body. <sup>24</sup> But as the church is subject to Christ, so also the wives *ought to be* to their husbands in everything.<sup>25</sup> Husbands, love your wives, just as Christ also loved the church and gave Himself up for her.

Col. 1:18-He is also head of the body, the church; and He is the beginning, the firstborn from the dead, so that He Himself will come to have first place in everything.

Acts 20:28-Be on guard for yourselves and for all the flock, among which the Holy Spirit has made you <sup>[q]</sup>overseers, to shepherd the church of God which He <sup>[r]</sup>purchased <sup>[s]</sup>with His own blood.

Isa. 1:18-Come now, and let us reason together, "Says the LORD, "Though your sins are as scarlet, They will be as white as snow; Though they are red like crimson, They will be like wool.

Dan. 7:9-I kept looking Until thrones were set up, And the Ancient of Days took *His* seat; His vesture *was* like white snow And the hair of His head like pure wool. His throne *was* <sup>[h]</sup>ablaze with flames, Its wheels *were* a burning fire.

1 Cor. 3:13-each man's work will become evident; for the day will show it because it is *to be* revealed with fire, and the fire itself will test <sup>[e]</sup>the quality of each man's work.

John 1:47-Jesus saw Nathanael coming to Him, and \*said of him, "Behold, an Israelite indeed, **in whom there is no deceit!**"

## **15**

Rev. 14:20-And the wine press was trodden outside the city, and blood came out from the wine press, up to the horses' bridles, <sup>[u]</sup>for a distance of <sup>[v]</sup>two hundred miles.

## **16**

Eph. 1:20-which He brought about in Christ, when He raised Him from the dead and seated Him at His **right hand** in the heavenly *places*

Matt. 25:33-and He will put the sheep on His **right**, and the goats on the left.

Matt. 5:39-But I say to you, do not resist an evil person; but whoever slaps you on your **right** cheek, turn the other to him also.

1 Tim. 5:17-The elders who rule well are to be considered worthy of **double honor**, especially those who work hard <sup>[e]</sup>at preaching and teaching.

Matthew 11:10-This is the one about whom it <sup>[k]</sup>is written, 'BEHOLD, I SEND MY **MESSENGER** <sup>[l]</sup>AHEAD OF YOU, WHO WILL PREPARE YOUR WAY BEFORE YOU.'

Luke 9:52-and He sent **messengers** on ahead of Him, and they went and entered a village of the Samaritans to <sup>[af]</sup>make arrangements for Him.

Jas. 2:25-In the same way, was not Rahab the harlot also justified by works when she received the **messengers** and sent them out by another way?

Eph. 4:11-12-<sup>11</sup> And He gave some *as* apostles, and some *as* prophets, and some *as* evangelists, and some *as* pastors and teachers, <sup>12</sup> for the equipping of the <sup>[d]</sup>saints for the work of service, to the building up of the body of Christ.

Heb. 4:12-For the word of God is living and active and sharper than any two-edged sword, and piercing as far as the division of soul and spirit, of both joints and marrow, and able to judge the thoughts and intentions of the heart.

Rev. 19:15-From His mouth comes **a sharp sword**, so that with it He may strike down the nations, and He will <sup>[d]</sup>rule them with a rod of iron; and He treads the <sup>[e]</sup>wine press of the fierce wrath of God, the Almighty.

1 Tim. 6:16-who alone possesses immortality and **dwells in unapproachable light**, whom no man has seen or can see. To Him *be* honor and eternal dominion! Amen.

1 John 1:5-This is the message we have heard from Him and announce to you, that **God is Light**, and in Him there is no darkness at all.

## **18**

Heb. 2:15-and might free those who through **fear of death** were subject to slavery all their lives.

Luke 16:23-In **Hades** he lifted up his eyes, being in torment, and \*saw Abraham far away and Lazarus in his bosom.

Rev. 20:14-Then death and **Hades** were thrown into the lake of fire. This is the second death, the lake of fire.

## **20**

Rev. 2:1-To the angel of the church in Ephesus write...

Matthew 11:10-This is the one about whom it <sup>[k]</sup>is written, 'BEHOLD, I SEND MY **MESSENGER** <sup>[l]</sup>AHEAD OF YOU, WHO WILL PREPARE YOUR WAY BEFORE YOU.'

Luke 9:52-and He sent **messengers** on ahead of Him, and they went and entered a village of the Samaritans to <sup>[af]</sup>make arrangements for Him.

Jas. 2:25-In the same way, was not Rahab the harlot also justified by works when she received the **messengers** and sent them out by another way?

Eph. 1:20-which He brought about in Christ, when He raised Him from the dead and seated Him at His **right hand** in the heavenly *places*

Matt. 25:33-and He will put the sheep on His **right**, and the goats on the left.

Matt. 5:39-But I say to you, do not resist an evil person; but whoever slaps you on your **right** cheek, turn the other to him also.

1 Tim. 5:17-The elders who rule well are to be considered worthy of **double honor**, especially those who work hard <sup>[e]</sup>at preaching and teaching.

Rev. 4:5-Out from the throne come flashes of lightning and sounds and peals of thunder. And *there were* **seven lamps** of fire burning before the throne, which are the seven Spirits of God.

### **Conclusion**

Num. 6:24-26- The LORD bless you, and keep you;  
<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.